

20/4
1/6

पत्रिका की प्रतु सुझी केल-केल आवारा विचार
राशी काम करीत रही। बाकी व उचित प्रकीर
की अरुम हकीमी व उरुम परीत में प्रकीर का
करे करीत प्रिय करीत पत्रिका नरुम रहे
कमहाकल करे वरुम वरुम वरुम वरुम की नरुम

श